तुम गुल- गुल बच्चे सदा सुख देते
फूल हो तुम दुःख नही कभी देते
मनसा -वाचा-कर्मणा जुबान पर खबरदारी रखना
विकारों वश कोई विकर्म नही करना
दिव्य गुण धारण किये.. जांच करना
बाप का सुना - अनसुना नही करना
पुराना स्वाभाव, चाल- चलन यह है रावण का कर्ज़ा
दृढ़ संकल्प से इसे समाप्त करना
मन्मनाभव हो संगम पर मनोरंजन मनाओं
बातों को न देखों
स्वयम को देखो और बाप को  देखो

मेरा बाबा
ॐ शांति!!!